द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय (स्वायत्तशासी), चेन्नई

मद्रास विश्वविद्यालय से संबद्ध,

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा A++ पुनर्मान्यता प्राप्त

उत्कृष्टता हेतु सक्षम महाविद्यालय, (भाषायी अल्पसंख्यक संस्थान),

Dwaraka Doss Goverdhan Doss Vaishnav College (Autonomous)

Re-accredited with "A ++" Grade by NAAC (3rd Cycle)

College with Potential for Excellence (Linguistic Minority Institution)

दर्पण

हिन्दी विभाग, शिफ्ट-I, 2024-25

(NEWS LETTER)

March 2026/ Annual Publication/ Volume - 5, Issue - 1

विभागीय गतिविधियाँ

(संगोष्ठी, कार्यशाला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, हिन्दी भाषा एवं साहित्य के विकास हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करना।)

संपादक

डॉ. मनोज कुमार सिंह, डॉ हर्षलता वी शाह

हिन्दी विभाग शिफ्ट-1

हिंदी विभाग का लक्ष्य:

* हिन्दी विभाग शिक्षा की ऐसी संस्कृति तैयार करता है जो विद्यार्थियों को एक परिवर्तनकारी बौद्धिक, नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक अनुभव प्रदान करेगा। हम एक ऐसे समाज की कल्पना करते हैं जहाँ हमारे विद्यार्थी स्वतंत्रता, न्याय और समानता के बुनियादी मानवीय मूल्यों को बनाए रखे।

* हिन्दी भाषा और साहित्य के शिक्षण में एक प्रतिष्ठित केंद्र बनना।

* हिन्दी में साहित्यिक और भाषाई योग्यता को एक बड़े सामाजिक मिशन में तब्दील करना।

* हिन्दी भाषा और साहित्य में रचनात्मक लेखन, अनुवाद और आलोचनात्मक दृष्टिकोण के लिए एक जीवंत वातावरण तैयार करना।

विभागीय उद्देश्य:

* विभाग का मूल उद्देश्य हिन्दी भाषा और साहित्य की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर हिन्दी साहित्य और भाषा के विकास में उत्तरोत्तर ज्ञान में सुधार लाना।

* हिन्दी के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन जिससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक और सांस्कृतिक ज्ञानवर्धन हो सके ।

* हिन्दी भाषा-साहित्य और संस्कृति को लोकप्रिय बनाने के साथ-साथ भारतीय साहित्य को राष्ट्रीय मंच प्रदान करना।

* विद्यार्थियों में साहित्येतिहास में निहित राष्ट्रीय-संस्कृतिक चेतना से परिचित कराकर एक स्वस्थ्य मानवीय मूल्यों का गठन करना।

* विभाग द्वारा योग्यता-वर्धक व कौशल-वर्धक ज्ञान प्रदान करना।

शुभकामना संदेश

डॉ. अशोक कुमार मूँधड़ा
सचिव, द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय

"निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिनु निज भाषा ज्ञान के मिटे न हिय को शूल"

-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

बिना भाषा के मनुष्य पशुतुल्य हो जाता है। भाषा स्वयं को जीवित रखने की पहली सीढ़ी है अर्थात् यदि हमें अपनी योग्यताओं को प्रदर्शित करना है तो हमें अपनी भाषा में योग्यता हासिल करनी होगी। हिंदी एक मात्र ऐसी भाषा है जिसे समझना सबसे सरल एवं सहज है। हर एक भारतीय को हिंदी भाषा सीखनी चाहिए क्योंकि इसने हमें जीवन के आदर्श सिखाये हैं। आज यह विश्व की तीन सबसे प्रसिद्ध भाषाओं में से एक है। हिंदी रचनाकारों का योगदान भारत के विकास में अद्वितीय है। हमारे महाविद्यालय का हिंदी विभाग हमेशा से हिंदी के प्रचार-प्रसार में कर्मरत रहा है। हिंदी विभाग आगे भी उत्तरोत्तर विकास की ओर बढ़े और विद्यार्थियों में एक नई ऊर्जा का संचार करे यही मेरी शुभकामना है। अहिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी प्रकाशन का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। इसके द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक नया मंच उपलब्ध होता है, जो हिंदी भाषा के अध्ययन, प्रचार-प्रसार और साहित्यिक चेतना को मजबूत बनाता है। हिंदी विभाग के सभी सदस्यों को साधुवाद देता हूँ और सतत प्रयास एवं प्रकाशन की मंगलकामना करता हूँ।

कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू
प्राचार्य, द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय

Winners don't do different things. They do things differently."-Shiv Khera

Apart from five senses the application of education and knowledge without common-sense is meaningless. The step to become successful is

enriching common-sense. Learning language plays a vital role in elevating common sense. I take great pride in stating that, “Arts as language is the key to knowledge, culture and civilization”. Language serves as a bridge of communication among Human beings. In India Hindi is the widely spoken language, it is a pleasure that our college Hindi Department is very active department. We are confident that we are marching ahead in adopting a learning environment capable of preparing and qualifying the graduated and to face the challenge innovatively and creatively. Never stop learning because life never stops teaching.

श्री अशोक केड़िया
कोषाध्यक्ष, द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय

हिंदी भारत की एक प्रमुख भाषा है जो करोड़ों लोगों की मातृभाषा है। यह न भाषा केवल हमारे दैनिक जीवन का आधार है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और विरासत को भी संजोती है । हिंदी भाषा के माध्यम से हम अपनी भावनाएं, व्याख्यान और दीक्षाएँ देते हैं । हम पर हिंदी भाषा का प्रभाव बहुत गहरा है । हिंदी के साहित्य, कविता, कहानी और नाटकों के माध्यम से हमारे संस्कार और ज्ञान का विकास होता है । शिक्षक, कर्मचारी, व्यापारी और सभी वर्ग के व्यक्ति हिंदी का उपयोग अपने कार्य में करते हैं । हिंदी भाषा हमारे जीवन का सिद्धांत है और हम सभी को इसे विकसित और संरक्षित करना चाहिए ताकि हमारी सांस्कृतिक पहचान बनी रहे।

मैं हिन्दी विभाग, साथ ही विभाग से जुड़े सभी छात्रों को इस निरंतर और सफल वार्षिक प्रकाशन की हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि यह प्रयास भविष्य में भी इसी तरह फलदायी और प्रेरणादायक बना रहे।

"हिंदी उन सभी गुणों से अलंकृत है जिनके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषाओं की अगली श्रेणी में सभासीन हो सकती है।" - मैथिलीशरण गुप्त।

डॉ. मनोज कुमार सिंह
संपादक एवं
विभागाध्यक्ष

कर्मण्ये वाधिकारस्ते, मा फलेषु कदाचन।

मां कर्मफलहेतूर्भू: मा ते संड्गोस्त्वकर्मणि॥

बिना फल की इच्छा के कर्म करना ही मनुष्य धर्म है। हिंदी विभाग ने इतने वर्षों में हिंदी सेवा में कोई कमी नहीं आने दी है। विद्यार्थियों का पूर्ण विकास ही हमारा लक्ष्य है और इसके लिए हम सदैव कर्मरत रहते हैं। हिंदी विभाग की ओर से पहली बार प्रकाशित `हिंदी दर्पण' इस बात का द्योतक है कि पहले की तरह ही हमारे विभाग ने सत्र 2024-25 में भी कई कार्यक्रम किये हैं और हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने चेन्नै के लगभग सभी महाविद्यालयों में अपनी योग्यताओं का प्रदर्शन किया है। मैं विभागाध्यक्ष के नाते विश्वास दिलाता हूँ कि आगे भी हिंदी विभाग की प्रगति ऐसे ही होती रहेगी।

डॉ. हर्षलता वी शाह,
संपादक एवं हिंदी
प्राध्यापिका (शिफ्ट-1)

विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास करना ही एक सफल शिक्षक का उद्देश्य होना चाहिए। आज विद्यार्थियों को मार या डांट की कोई ज़रूरत नहीं है वे अपने भविष्य को लेकर बहुत जिम्मेदार होते हैं। मात्र शिक्षा ही उनके संपूर्ण विकास में सहायक नहीं होती बल्कि विद्यार्थियों का चतुर्दिक विकास होना चाहिए। हमारे विभाग के विद्यार्थी मात्र परीक्षा परिणाम में ही सफलतम स्थान प्राप्त नहीं करते बल्कि अन्य महाविद्यालयों की प्रतियोगिताओं में जाकर सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्राप्त करते हैं। यह न्यूजलेटर बनाने का प्रमुख उद्देश्य हमारे विभाग की सफलताओं को पाठक तक पहुँचाना है। हमें विश्वास है कि आपकी शुभकामनाएं हमारे विभाग के साथ हैं।

"राष्ट्रीयता का भाषा और साहित्य के साथ बहुत ही घनिष्ट और गहरा संबंध है।"

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद।

विभागीय गतिविधियाँ 2024-25

एक दिवसीय अंतर विभागीय हिंदी प्रतियोगिता - 05.09.2024

गुरुवार, 5 सितंबर को साहित्यिक संस्था 'दर्पण' के हिंदी विभाग (शिफ्ट-1) और बैंक ऑफ बड़ौदा के राजभाषा विभाग द्वारा अंतर विभागीय हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय अरुंबाकम में सुबह 10 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक किया गया। निबंध लेखन, हिंदी कविता पाठ और भाषण में 85 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजभाषा बैंक ऑफ बड़ौदा की वरिष्ठ प्रबंधक रीता गोविंदन थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को लेखन के बारे में बताया और लेखन प्रक्रिया के महत्व को समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों से इस बारे में विस्तार से चर्चा की कि कैसे वे अधिक से अधिक लिखकर पूर्णता प्राप्त कर सकते हैं। आज अमेरिका जैसे देश में भी हिंदी न केवल पढ़ाई जा रही है बल्कि इस पर शोध भी हो रहा है, यह हमारे लिए गर्व की बात है। आज हिंदी बाजार की भाषा बन गई है, इसलिए इसमें रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। कार्यशाला में बैंक ऑफ बड़ौदा से वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा जी कृष्णप्रिया विशेष अतिथि के रूप में आईं। उन्होंने कहा कि आप सभी को प्रतिदिन कुछ न कुछ लिखना चाहिए। लिखकर ही आप इस क्षेत्र में अधिक लाभ कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बैंक में भी अवसरों की कमी नहीं है, बस आपको अपना लक्ष्य निर्धारित करने की जरूरत है।

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला "हिंदी लघुकथा लेखन - कठिनाइयाँ और समाधान" 18-09-2024

द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय अरुंबक्कम में हिंदी विभाग (शिफ्ट-1) की साहित्यिक संस्था 'दर्पण' द्वारा बुधवार, 18 सितंबर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था "हिंदी लघुकथा लेखन - कठिनाइयाँ और समाधान"।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, चेन्नई की हिंदी प्राध्यापक डॉ. गुर्रमकोंडा नीरजा ने विद्यार्थियों को लेखन के बारे में बताया और लेखन प्रक्रिया के महत्व को समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों से विस्तार से चर्चा की कि कैसे वे अधिक से अधिक लघुकथाएँ लिखकर पूर्णता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी ज्ञान की भाषा है और विज्ञान और वाणिज्य में इसके अनुवाद की गुंजाइश उतनी ही है जितनी अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा में है। आज हिंदी बाजार की भाषा बन गई है, इसलिए इसमें रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। हम सभी को अधिक से अधिक भाषाएं सीखनी चाहिए, यह हमारा मजबूत पक्ष है। नीरजा जी ने हिंदी में लघुकथा लेखन से जुड़ी सभी जिज्ञासाओं पर चर्चा की और पीपीटी के माध्यम से एक अच्छा कहानीकार बनने के गुणों को समझाया। उन्होंने कहा कि हमारे आसपास हर दिन कोई न कोई घटना घटती है, हमें वहीं से शुरुआत करनी होगी। ऐसी सभी घटनाएं जिनसे समाज को कुछ सीखने को मिलता है या कुछ जानने को मिलता है, लघुकथा के लिए उपयुक्त विषय हो सकते हैं। हमें बस जितना संभव हो उतना लिखने का प्रयास करना चाहिए।

अंतर महाविद्यालय काव्य उत्सव वैष्णव काव्य उत्सव - 21.02.2025

द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय के हिंदी विभाग (पाली-1) द्वारा शुक्रवार दिनांक 21.02.2025 को 'वैष्णव काव्य उत्सव' अंतर महाविद्यालयीन काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 21 महाविद्यालयों के 34 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी एवं डॉ. सुनील पाटिल थे। इस कार्यक्रम में विजयी होने वाले 3 विद्यार्थी ख़ुशी एम कनिका परमेश्वरी महाविद्यालय, तेजश शर्मा एसआरएम एवं ममता एसडीएनबी महाविद्यालय रहे।

हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस संतोष बाबू ने अतिथियों का सम्मान किया तथा हिंदी भाषा के योगदान पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने देशभक्ति, माता, पिता, बहन, प्रकृति आदि विषयों पर अपनी कविताएं प्रस्तुत की

वैष्णव काव्य उत्सव'-2025 राष्ट्रीय कवि सम्मेलन 24.02.2025

द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय के हिंदी विभाग (शिफ्ट--1) द्वारा सोमवार दिनांक 24.02.2025 को `वैष्णव काव्य उत्सव-25' राष्ट्रीय काव्य उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई फिर दीप प्रज्ज्वलन किया गया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने दौसा, राजस्थान से आई प्रसिद्ध कवयित्री सपना सोनी तथा अहमदाबाद से आई कवयित्री आयुषी राखेचा का उनकी ही रचनाओं से स्वागत किया। प्राचार्य डॉ एस सन्तोष बाबू, महाविद्यालय के सचिव डॉ. अशोक कुमार मूँधड़ा तथा कोषाध्यक्ष श्री अशोक केड़िया ने दोनों कवयित्रियों को सम्मानित किया । इसके पश्चात अहमदाबाद से आई कवयित्री आयुषी रखेचा ने श्रोताओं की वाहवाही लूटी तथा अपनी कविताओं, गीतों तथा मुक्तकों से सभी का मन मोह लिया। उन्होंने महिलाओं, रीति-रिवाजों और होली पर आधारित गीतों पर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। मेरे छत की कोई बदरी गरज घर घर करती है, तो गोपियां प्रेम के विषय की पाणिनी हैं और तन भी भीगे मन भी भीगे अबके होली ऐसी हो गीत पर सभी आनंद में सराबोर हो गए। दौसा राजस्थान से आई प्रसिद्ध कवियित्री सपना सोनी ने अपनी आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया । उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में इतना सुंदर आयोजन उत्सव नहीं बल्कि महोत्सव बन गया है। उनके प्रेम और शृंगार के गीतों ने सभी को गुदगुदाया। नजरें चुराने की बात मत करो, तुम्हारे बिना कभी होली नहीं मनाएंगे, तुम पर एक किताब लिखेंगे, तुम मुझे गजल में प्रेम बनकर मिले । ऐसे कई गीत उन्होंने गाए।

विभागीय उपलब्धियाँ

डॉ. मनोज कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग

1. आई.क्यू.ए.सी, डी.डी.जी.डी. वैष्णव कॉलेज द्वारा 12 जून 2024 से 18 जून 2024 तक आयोजित 7 दिवसीय एफडीपी में भाग लिया।
2. 30.08.2024 को चेन्नई में हिंदी प्रचार सभा द्वारा आयोजित पद्म भूषण भगवतीचरण वर्मा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
3. 03.09.2024 को डी.डी.जी.डी. वैष्णव कॉलेज में हिंदी विभाग द्वितीय सत्र एवं `तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी', चेन्नई के सहयोग से आयोजित तुलनात्मक अध्ययन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
4. 12.09.2024 को स्टेला मैरिस कॉलेज, चेन्नई में आयोजित "भाषाओं के अनुवाद: अवसर एवं चुनौतियाँ" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
5. चेन्नई स्थित दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा में आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारत: साहित्य और मीडिया फेस्ट" में भाग लिया।
6. 10.02.2025 से 14.02.2025 तक ए.एम. जैन कॉलेज, चेन्नई द्वारा आयोजित 5 दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया।
7. 05.07.2024 को चेन्नई के अन्ना नगर स्थित जयगोपाल गरोडिया विवेकानंद विद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिनिधित्व किया।
8. 23.08.2024 को ए.एम. जैन कॉलेज में संसाधन व्यक्ति (रिसोर्स पर्सन) के रूप में प्रतिनिधित्व किया।
9. 22.01.2025 को नेहरू युवा केंद्र, चेन्नई में संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रतिनिधित्व किया।
10. 03–04.03.2025 को एस.आर.एम. विश्वविद्यालय, चेन्नई में संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. हर्षलता वी. शाह, सहायक प्राध्यापिका

1. 12 जून 2024 से 18 जून 2024 तक आई.क्यू.ए.सी. डी.डी.जी.डी. वैष्णव कॉलेज द्वारा आयोजित 7 दिवसीय एफ.डी.पी में भाग लिया।

2. 30.08.2024 को चेन्नई स्थित दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभाद्वारा आयोजित पद्म भूषण भगवतीचरण वर्मा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

3. डी.डी.जी.डी. वैष्णव कॉलेज में हिंदी विभाग द्वितीय सत्र एवं `तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी', चेन्नई के सहयोग से आयोजित तुलनात्मक अध्ययन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

4.12.09.2024 को स्ट्रैला मॉरिस कॉलेज, चेन्नई में भाषाओं के अनुवाद: अवसर एवं चुनौतियाँ विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

5. चेन्नई स्थित दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा में आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारत: साहित्य और मीडिया उत्सव' में भाग लिया।

6. 24.01.2025 को शिक्षा मंत्रालय एवं एम.ओ.पी. वैष्णव कॉलेज फॉर विमेन के द्वारा आयोजित 1 दिवसीय एफ.डी.पी. में भाग लिया।

7. 10.02.2025 से 14.02.2025 तक ए.एम. जैन कॉलेज, चेन्नई द्वारा आयोजित 5 दिवसीय एफ.डी.पी. में भाग लिया।

8. 17.02.2025 से 21.02.2025 तक श्री कनिका परमेश्वरी आर्ट्स एवं साइंस कॉलेज फॉर वुमेन, चेन्नई द्वारा आयोजित 5 दिवसीय एफ.डी.पी. में भाग लिया।

9. 14.02.2025 को जॉबास कॉलेज, चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

10. 19.12.2024 को चेन्नई के श्री एस.एस. शासुन जैन महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्राध्यक्ष) के रूप में प्रतिनिधित्व किया एवं श्री एस.एस. शासुन जैन महिला महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक *"Women in Literary Arts"* (ISSN 2394-2428) में उनका लेख प्रकाशित हुआ।

11. 30.01.2025 को चेन्नई के हार्टफुलनेस इंटरनेशनल स्कूल (ओमेगा शाखा) में संसाधन व्यक्ति एवं सह-निर्णायक (Resource Person cum Judge) के रूप में प्रतिनिधित्व किया।

"आप जिस तरह बोलते हैं, बातचीत करते हैं, उसी तरह लिखा भी कीजिए। भाषा बनावटी न होनी चाहिए।" - महावीर प्रसाद द्विवेदी।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

1- अंशिका द्विवेदी ने 23.08.2024 को गुरुनानक कॉलेज में आयोजित काव्य-माधुरी-2024 काव्य-प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

2- अंशिका द्विवेदी ने 29.08.2024 को श्री एस.एस. शासुन जैन महिला महाविद्यालय में आयोजित 'शासुन क्षितिज-2024' में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन काव्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

3- कशिश मिश्रा ने 07.08.2024 को जी.एस.एस. कॉलेज में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

4- कशिश मिश्रा ने 05.08.2024 को बैंक ऑफ बड़ोदरा, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन तत्कालीन भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

5- कशिश मिश्रा ने 05.08.2024 को बैंक ऑफ बड़ोदरा, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

6- कशिश मिश्रा ने 10.09.2024 को श्री कनिका परमेश्वरी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन प्रपत्र-वाचन प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ की उपाधि प्राप्त की।

7- कशिश मिश्रा ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन कविता प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

8-कशिश मिश्रा ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

9- कशिश मिश्रा ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

10- गरिमा अग्रवाल ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

11- अरमान गोदानी ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

12- गरिमा अग्रवाल ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन डुवेल प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

13-कशिश मिश्रा ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन डुवेल प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

14- परी शीवनारायण ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन डुवेल एडेप्ट ट्यून प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

15- सलोनी दवे ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन डुवेल एडेप्ट ट्यून प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

16- गरिमा अग्रवाल ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन एडजेप प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

17- परी शीवनारायण ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन डुवेल एडजेप प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

18- सलोनी दवे ने 18.09.2024 को एस.आर.एम. युनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन डुवेल एडजेप प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

19- ई. वैष्णवी ने 14.12.2024 को लॉयला कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

20- ई. वैष्णवी ने 27.01.2025 को सी.टी.टी.ई. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

21- परी शीवनारायण ने 27.01.2025 को सी.टी.टी.ई. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

22- सलोनी दवे ने 27.01.2025 को सी.टी.टी.ई. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

23- सलोनी दवे ने 27.01.2025 को सी.टी.टी.ई. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन तत्कालीन भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

24- परी शीवनारायण ने 03.02.2025 को डब्ल्यू.सी.सी. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन कहानी वाचन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

25- सलोनी दवे ने 03.02.2025 को डब्ल्यू.सी.सी. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन कहानी वाचन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

26- परी शीवनारायण ने 03.02.2025 को डब्ल्यू.सी.सी. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

27- सलोनी दवे ने 03.02.2025 को डब्ल्यू.सी.सी. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

28- परी शीवनारायण ने 03.02.2025 को डब्ल्यू.सी.सी. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन नृत्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

29- सलोनी दवे ने 03.02.2025 को डब्ल्यू.सी.सी. कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन नृत्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

30- परी शीवनारायण ने 06.02.2025 को एम.ओ.पी. महाविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन विज्ञापन बनाओ प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

31- सलोनी दवे ने 06.02.2025 को एम.ओ.पी. महाविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन विज्ञापन बनाओ प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

32- सत्यम पांडे ने 06.02.2025 को एम.ओ.पी. महाविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन विज्ञापन बनाओ प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

33- द्वानिश ठक्कर ने 06.02.2025 को एम.ओ.पी. महाविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन विज्ञापन बनाओ प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

34- शामली एस. ने 14-15 फरवरी 2025 को गुरूनानक कॉलेज, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन भाषण प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार स्वरूप उसे गुरूनानक कॉलेज की ओर से पाँच हजार रूपये प्राप्त हुए।

सलोनी दवे ने 03.03.2025 को ए.एम.जैन महाविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन डम शराज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

35- द्वानिश ठक्कर ने 03.03.2025 को ए.एम.जैन महाविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन डम शराज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

36- सलोनी दवे ने 03.03.2025 को ए.एम.जैन महाविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

37- द्वानिश ठक्कर ने 03.03.2025 को ए.एम.जैन महाविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

38- ध्रुव आर. ने 03.03.2025 को ए.एम.जैन महाविद्यालय, चेन्नई में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित विभागीय उपलब्धियाँ

वैष्णव महाविद्यालय में शिक्षक दिवस पर हिन्दी प्रतियोगिताएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अरुम्बाक्कम स्थित द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय में 5 सितंबर को हिंदी विभाग (शिफ्ट-1) की साहित्यिक संस्था 'दर्पण' और राजभाषा विभाग बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अंतर्विभागीय हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। निबन्ध लेखन, हिन्दी कविता पाठ और तत्काल भाषण में 85 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की उपयोगिता पर अपनी बात रखी, और कहा कि आज शिक्षक दिवस है और एक शिक्षक की सफलता उसके विद्यार्थी की सफलता में ही निहित होती है। हिन्दी भाषा से आज सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में अनेक रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं इसी को ध्यान में रखते हुए आज इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा की वैष्णव कॉलेज का हिन्दी विभाग हमेशा हिन्दी में आधुनिक समय के अनुरूप छात्रों के लिए कार्यक्रम कराने को लेकर प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो जे पी जगदीप, सचिव अशोक कुमार मूँधड़ा तथा कोषाध्यक्ष अशोक केडिया ने भी कार्यक्रम के आयोजन के लिए हिन्दी विभाग को अपनी शुभकामनायें दी।

मुख्य अतिथि के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा की वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा अधिकारी रीता गोविंदन उपस्थित थीं। उन्होंने छात्रों को लेखन के बारे में बताते हुए लेखन प्रक्रिया की आवश्यकता का महत्व बताया। उन्होंने ने विस्तार के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिन्दी ज्ञान की भाषा है जिसके अनुवाद का क्षेत्र विज्ञान और वाणिज्य में भी उतना ही है जितना जितना अँग्रेजी या अन्य किसी भाषा में। अमेरिका जैसे देश में भी आज हिन्दी सिर्फ पढ़ाई नहीं जा रही है उस पर शोध किया जा रहा है, यह हमारे लिए गर्व की बात है। आज हिन्दी बाजार की भाषा बन चुकी है इसलिए इसमें रोजगार के अवसर भी बढ़ चुके हैं। हम सभी को अधिक से अधिक भाषाएँ सीखनी चाहिए यह हमारा मजबूत पक्ष है। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में आयी वरिष्ठ प्रबन्धक राजभाषा कृष्णप्रिया रहीं। उन्होंने कहा कि आप सभी को रोज कुछ ना कुछ लिखना चाहिए। लिखने से ही आप इस क्षेत्र में अधिक लाभ कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बैंक में भी अवसर की कमी नहीं है बस आपको अपना लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता है।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. हर्षलता शाह ने मंच का संचालन किया और सभी को धन्यवाद दिया।

राजस्थान पत्रिका मीडिया पार्टनर : अंतर्विभागीय हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन

शिक्षक की सफलता उसके विद्यार्थी की सफलता में ही निहित : डॉ. सिंह

patrika.com

लोकल 05 राजस्थान पत्रिका patrika.com
चेन्नई, गुरुवार, 19 सितंबर, 2024

डीजी वैष्णव महाविद्यालय में हिन्दी कार्यशाला

आज बाजार की भाषा बन चुकी है हिन्दी : डॉ गुर्रमकोंडा नीरजा

राजस्थान पत्रिका
मीडिया पार्टनर

एक अच्छा कथाकार बनने के गुण बताए

हिन्दी ज्ञान की भाषा

द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

चेन्नई, 18 सितंबर (दक्षिण प्रकाश)।

वैष्णव महाविद्यालय में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भाषाएँ हमारे संसार को स्पष्ट करती हैं, हमारे विचारों को संरचना प्रदान करती हैं और हमारे आस-पास के लोगों से संवाद स्थापित करने में हमारी सहायता करती हैं। ये गतिशील अवधारणाएँ हैं, जो हमारी विरासत, हमारे लोगों और दुनिया के साथ हमारे अंतर्संबंधों से निर्मित होती हैं, और आधुनिक युग के साथ तालमेल बिठाते हुए विकसित और परिवर्तित होती रहती हैं, साथ ही हमें हमारे अतीत की याद दिलाती रहती हैं।

वैष्णव काव्य उत्सव-2025 का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय के हिंदी विभाग (शिफ्ट-एक) के द्वारा 'वैष्णव काव्य उत्सव' अन्तर्महाविद्यालयीन काव्य प्रतियोगिता का आयोजन 21 फरवरी को किया गया था। जिसमें 21 महाविद्यालयों से 34 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। निर्णायक के रूप में डॉ मनोज कुमार द्विवेदी और डॉ सुनील पाटिल उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रमुख तीन विजेता विद्यार्थियों ने सोमवारको आयोजित राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में कविता पढ़ने का अवसर मिला।हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने दौसा राजस्थान से पधारी विख्यात कवयित्री सपना सोनी और अहमदाबाद से पधारी कवयित्री आयुषी रखेचा की रचनाओं से उनका स्वागत किया और प्रतियोगिता के आयोजन में सभी के योगदान और नई पीढ़ी को कविता से जुड़ने की बात की। प्राचार्य डॉ. एस. संतोष बाबू ने अतिथियों का सम्मान करते हुए हिंदी भाषा और हमारे जीवन में अन्य भाषाओं के योगदान पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें सदैव मातृभाषा के अलावा अन्य कई भाषाएँ सीखने पर जोर देना चाहिए। कॉलेज के सचिव डॉ अशोक कुमार मूँधड़ा एवं कोषाध्यक्ष अशोक केडिया ने दोनों कवयित्रियों को सम्मानित किया और हिन्दी भाषा के महत्व को बताया। हिन्दी विभाग शिफ्ट 2 के अध्यक्ष डॉ मनोज द्विवेदी जी ने भी कविता के महत्व को बताया। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. हर्षलता वी. शाह ने सभी को धन्यवाद दिया। डॉ मनोज सिंह ने काव्य गोष्ठी का संचालन किया।

भाषा अनुभूति को अभिव्यक्त करने का माध्यम भर नहीं है बल्कि यह सभ्यता को संस्कारित करनेवाली वीणा एवं संस्कृति को शब्द देनेवाली वाणी है । किसी भी देश का प्राणतत्त्व उसकी संस्कृति होती है । संस्कृति की अभिव्यक्ति भाषा के द्वारा होती है । भाषा राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है । यदि राष्ट्र को सशक्त बनाना है तो एक राष्ट्रभाषा होनी चाहिए ।